सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश

(विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध)

वार्षिक कार्ययोजना

सत्र 2018–19

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश

(विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध)

वार्षिक कार्ययोजना

सत्र 2018-19

प्रांतीय कार्यालय

'प्रज्ञादीप' हर्षवर्धन नगर, भोपाल- 462 003
दूरभाषः (0755) : 2761225,
ई-मेलः *vidyabhartibpl@gmail.com,*
Web: *www.vidyabhartimp.org*

अपनी बात...

आदरणीय बंधुवर,

सप्रेम नमस्कार

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल से सम्बंधित समस्त विद्यालयों के लिए वार्षिक कार्ययोजना का प्रकाशन किया जा रहा है। यह कार्ययोजना यद्यपि सूत्ररूप में है तथापि प्रत्येक विद्यालय को स्थानीय परिस्थिति को ध्यान में रखकर अपनी विस्तृत योजना बनानी है। कार्ययोजना बनाते समय अपने सहयोगी आचार्यों से चर्चा करना तथा व्यवस्थापक महोदय का मार्गदर्शन प्राप्त करना लाभप्रद रहेगा। प्रबंध समिति की मासिक बैठक में कार्ययोजना प्रस्तुत करना। मासान्त दिवस में शैक्षिक अवकाश करके आचार्य बैठक व अभ्यास वर्ग जिसमें पिछले माह की समीक्षा तथा अगले माह की कार्ययोजना पर चर्चा और अभ्यास वर्ग अवश्य हो। छात्रों के लिए साप्ताहिक शिशु भारती, बालभारती का आयोजन करना।

इस वार्षिक कार्ययोजना के सम्बंध में आपके सुझाव स्वागत योग्य है, कृपया पत्र द्वारा सूचित करें।

भवदीय

(मोहनलाल गुप्ता)
प्रादेशिक सचिव
सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान

वार्षिक कार्ययोजना

सत्र 2018-19

1. संस्कृति ज्ञान परीक्षा का शुल्क जुलाई मास में ही डिमांड ड्राफ्ट एवं सूची सहित संस्कृति संस्थान कुरुक्षेत्र के नाम बनाकर प्रतिष्ठान भेज दिया जाए। यदि नहीं भेजा है तो अविलम्ब भेजें।
2. सामान्यतः अनुभव में यह आता है कि तैयारी कक्षा-कक्ष से प्रारंभ नहीं होती। केवल कुछ गिने-चुने छात्र ही इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। वस्तुतः इसका आयोजन कक्षाशः होना चाहिए। इस हेतु अधिकाधिक भैया/बहिनों को निर्धारित पुस्तकें क्रय करवानी चाहिए।
3. संस्कृति ज्ञान परीक्षा में अन्य विद्यालय के छात्र भी सम्मिलित हों, इस हेतु विशेष कार्य योजना बनानी चाहिए।
4. विद्यालय में प्रतिदिन सम्पूर्ण राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन (विद्या भारती द्वारा निर्धारित लय में) करना अपेक्षित है।
5. विद्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव के समय शारीरिक कार्यक्रम अवश्य ही आयोजित किए जाना चाहिए।
6. अभिभावक सम्पर्क हमारी योजना का प्राण है, अतः इसके क्रियान्वयन की विशेष योजना बनाए।
7. महापुरूषों के पुण्य स्मरण हेतु उनकी जन्मतिथि तथा पुण्यतिथियों के विवरण पृथक से दिये गए हैं। प्रतिमास न्यूनतम एक महापुरूष का स्मरण करना अपेक्षित है।
8. स्वदेशी जागरण, सेवा बस्ती में रक्षाबंधन, शारीरिक कार्यक्रम का प्रदर्शन, संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सम्मिलित अन्य विद्यालय, बौद्धिक प्रतियोगिता तथा शारीरिक प्रतियोगिता में अपने विद्यालय की सहभागिता आदि का वृत्त प्रतिष्ठान को विस्तार से भेजना है।
9. देवपुत्र पत्रिका अपने विद्यालय में अधिकाधिक संख्या में आये, यह तो आवश्यक है, साथ ही अन्य विद्यालयों में प्रयत्न करना अपेक्षित है।
10. कृपया अगली कक्षा खुलने की अनुमति प्रतिष्ठान से पूर्व में ही प्राप्त करें। इस हेतु अक्टूबर मास में आवेदन करना चाहिए।
11. शासन द्वारा घोषित दशहरा तथा दीपावली अवकाश ही अपने यहाँ मान्य है।
12. इस वार्षिक योजना को आधार बनाकर अपने विद्यालय की वार्षिक योजना बनानी चाहिए तथा वार्षिक कार्यक्रम (शैक्षिक कैलेण्डर) बनाकर अभिभावकों को देना चाहिए।
13. कक्षा तृतीया तक के भैया/बहिन सीस पेंसिल का उपयोग करें, इसका आग्रह करना

चाहिए। कक्षा चतुर्थी से भैया/बहिन पेन का उपयोग करे यह आग्रह रहे।

महत्वपूर्ण सूचनाएँ

- प्रत्येक वर्ग का कक्षा गीत सुनिश्चित करें। कक्षा प्रारंभ करने से पूर्व कक्षा के गीत से शिक्षण कार्य का उद्घाटन हो, तीन मास तक गीत गायन हो, तीन मास बाद द्वितीय गीत। इस प्रकार वर्ष में तीन गीत का अभ्यास हो।
- विद्यालय का मासिक गीत एवं भजन, वंदना/सहभोज के पूर्व अवश्य हो।
- शिक्षण कालांश के अंतिम कालखण्ड में शांति पाठ तथा एक भजन हो। तीन मास बाद द्वितीय भजन एवं इस प्रकार वर्ष में तीन भजन का अभ्यास हो।
- संस्कृति ज्ञान परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ हो इसके लिए शिक्षण कालखण्डों में स्थान देना चाहिए।
- विद्यालयों में हरियाली एवं सौन्दर्यीकरण हेतु विशेष योजना बनाना चाहिए। इसके लिए भैया/बहिन एवं आचार्यों की श्रम साधना की योजना बनाना चाहिए।
- शिशु भारती/बालभारती/किशोरभारती/तरूण भारती के दायित्व बोध शिविर जिलाशः करने की योजना बनाना चाहिए।
- बसंत उत्सव, वार्षिक उत्सव, सामाजिक समरसता कार्यक्रम में पूर्व छात्रों की सहभागिता की योजना बनाना चाहिए।
- विद्यालय की साज-सज्जा में विद्यालय भवन की दीवारों पर भारतीय महापुरूषों के बोध वाक्य भैया/बहिनों के स्तर के लिखें।
- विद्यालयों के कार्यक्रमों का संचालन अधिक से अधिक भैया/बहिनों द्वारा हो। प्रधानाचार्य/व्यवस्थापक यथासंभव सार्वजनिक कार्यक्रमों का संचालन न करें। आचार्य द्वारा कार्यक्रम का संचालन कराने से आचार्यों का नेतृत्व विकास होता है।
- मातृ-सम्मेलन, अभिभावक सम्मेलन में मुख्य वक्ता शिशु मंदिर योजना का ही व्यक्ति हो।
- अर्द्धवार्षिक परीक्षा के पश्चात यथासंभव ऐसे कार्यक्रम न करें, जिससे अनाध्याय हो। इसलिए वार्षिक उत्सव नवंबर माह तक सम्पन्न कर लें।
- विद्यालय के द्वारा भेजे गये कार्यक्रमों आमंत्रण पत्र निवेदक में शिशु मंदिर परिवार लिखना चाहिए, नाम के उल्लेख से एकांगी भाव उत्पन्न होता है।
- विद्यालय में कार्यालयों पर नाम पट्टिका के स्थान पर पद पट्टिका लगाने की परम्परा है।
- लेटर-हैड पर भी संस्था का नाम लिखना चाहिए। नाम व पद लिखने की परम्परा नहीं है।
- वंदेमातरम् सरस्वती वंदना के पश्चात् करना चाहिए।

- प्रबंध समिति के पदाधिकारी विद्यालय दर्शन या बैठकों में कुर्ता पजामा पहनकर जावें ऐसी अपेक्षा है।
- भैया/बहिनों के नाम से पूर्व भैया/बहिन शब्द लगाना हमारी गौरवशाली परम्परा रही है।
- दीप प्रज्जवलन प्रतिदिन हो, दीप प्रज्जवलन में प्रतिदिन किसी अभिभावक को आमंत्रित करने से अभिभावकों का स्नेह शिशु मंदिर के प्रति बढ़ेगा।
- प्रतिष्ठित समाज सेवी एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की सूची जून मास में प्रबंध समिति, आचार्य परिवार की सहभागिता से निर्माण करना चाहिए। विद्यालय के कार्यक्रम एवं उत्सवों में आमंत्रित करना चाहिए तथा इन्हीं में से मुख्य अतिथि बनाना चाहिए।
- आचार्यों की मासिक बैठक में गतमास का बैठक वृत्त समीक्षा आगामी माह के कार्यक्रम की योजना का पुनः स्मरण करना।
- आचार्य दक्षता परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जावे। प्रश्न पत्र में विद्या भारती योजना, शिक्षण, बालक विकास से संबंधित प्रश्नों की परीक्षा हो।
- वंदना के समय, शिशु भारती कार्यक्रमों में एवं उत्सव, जयन्तियों में वक्ता के रूप में आचार्यों की सहभागिता अधिक से अधिक हो।
- आचार्य के गुणात्मक विकास हेतु विद्यालय की कार्य योजना में प्रेरणात्मक, ज्ञानात्मक, कौशलात्मक विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जावे।
- वंदना में एकात्मता स्त्रोत सप्ताह में तीन दिन लिया जावे। मंगलवार को हनुमान चालीसा, सोमवार को गीता पाठ, प्रेरणात्मक भजन, चौपाईयाँ हो।
- शनिवार को ध्यान योग का कालखण्ड अवश्य हो।
- वंदना बेला में जिन भैया/बहिनों के जन्मदिन है, उनसे माँ सरस्वती का पूजन कराने की योजना बनाना चाहिए। एक आचार्य को प्रमुख बनाना चाहिए। वंदना बेला में अगले दिन किसका जन्म दिन है, सूचना दें, बधाई संदेश उसके घर भिजवाना चाहिए। भैया/बहिनों को तिलक करना चाहिए।
- दस मिनट की व्यायाम शृंखला विद्यालय में आवश्यक हो।
- वंदना में पूजन अर्चन, माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन, वाद्य यंत्रों का उपयोग आध्यात्मिक वातावरण निर्माण करने में सहायक होगा।
- वंदना में आचार्य/प्रधानाचार्य एवं कार्यालयीन परिवार की प्रार्थना अनिवार्यतः हो ऐसी अपेक्षा है।
- समाचार वाचन, तिथि वाचन, मासिक गीत, भजन, शिशु मंदिर की दैनिक योजना बनायें।
- शिशु सेवकों का नैपुण्य वर्ग, मासिक बैठक एवं उनके विकास की कार्य योजना बनाना

चाहिए।

- कार्यालय कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक लेना चाहिए तथा व्यवस्थित कार्यालय व सुन्दर कार्यालय दर्शन की योजना बनाना चाहिए।
- प्रधानाचार्य को आचार्य वेश में आचार्यों से पूर्व विद्यालय में आना तथा उनके प्रस्थान पश्चात् जाना अपेक्षित है।

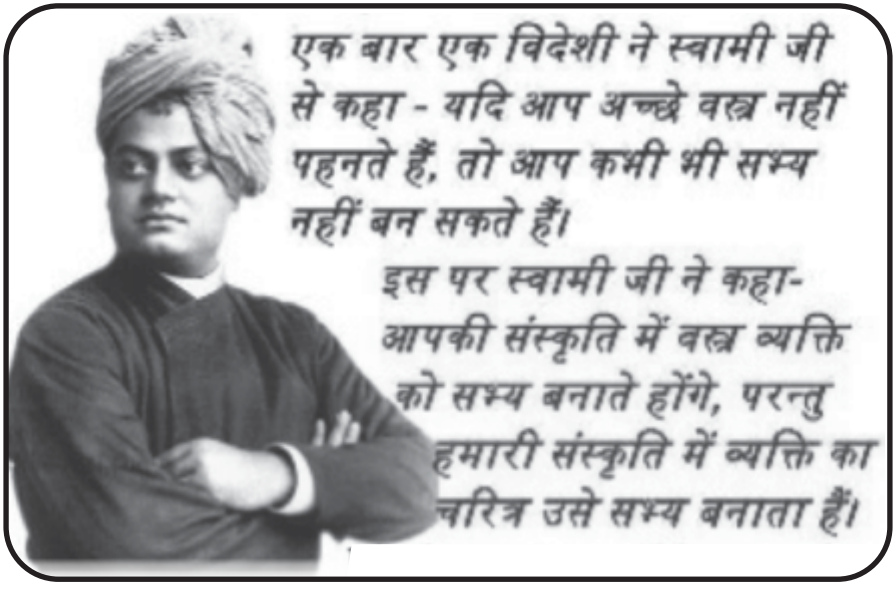

माह–जुलाई 2018

02 जुलाई 2018	✸ पर्यावरण सप्ताह, विद्यालय परिवार द्वारा श्रम साधना
06 जुलाई 2018	✸ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती
09 जुलाई 2018	✸ छात्र परिचय ✸ कक्षा सज्जा प्रतियोगिता
15 जुलाई 2018	✸ दक्षता संवर्धन परीक्षा समस्त जिला केन्द्रों पर
16 जुलाई 2018	✸ बस्ता सज्जा ✸ गणवेश प्रतियोगिता
23 जुलाई 2018	✸ लोकमान्य तिलक एवं चन्द्रशेखर आजाद जयंती
	✸ देशभक्ति गीत गायन, गीता पाठ प्रतियोगिता
25 जुलाई 2018	✸ शिशु/बाल/किशोर/ कन्या भारती गठन
27 जुलाई 2018	✸ गुरू पूर्णिमा , व्यास जयंती
28 जुलाई 2018	✸ संस्कृत सप्ताह प्रारम्भ
	✸ मुंशी प्रेमचन्द जयंती

------------✧------------

⊙ **पूर्व छात्र** – पूर्व छात्र परिषद का गठन

⊙ **क्रियाशोध** – क्रियाशोध विषय की अवधारणा को आचार्य परिवार में स्पष्ट करना।

⊙ **विद्वत परिषद** – विभिन्न विषयों की शैक्षिक परिषदों एवं अन्य आधारभूत विषयों की परिषदों का गठन।

⊙ **शिशुवाटिका** –

1. प्रथम दिन उत्सव
2. गुरू पूर्णिमा उत्सव
3. चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती
4. हरियाली तीज + मातृगोष्ठी (वृक्षारोपण कार्यक्रम)
5. जन्मदिन उत्सव

⊙ **बालिका शिक्षा** –

1. कन्या भारती का गठन दायित्व बोध बैठक/शिविर/ (बालिका शिक्षा मार्गदर्शिका के आधार पर)
2. विद्यालय के समय चक्र में सप्ताह में एक दिन दो कालांश (एक घंटा) बालिका शिक्षा के लिए निर्धारित करना।
3. मातृभारती का गठन करना (बालिका शिक्षा मार्गदर्शिका के अनुसार)

प्रमुख कार्य

- ☞ भोजन मंत्र, समता प्रतियोगिता (आचार्य हेतु)
- ☞ विद्यारंभ संस्कार
- ☞ शिशुसभा/बालसभा प्रति सप्ताह आयोजन
- ☞ संस्कार केन्द्र विस्तार
- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ आचार्य सम्मान समारोह
- ☞ देवपुत्र, अभिनव प्रज्ञादीप सदस्यता, संस्कृति ज्ञान परीक्षा सम्पर्क अभियान
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग

माह– अगस्त 2018

दिनांक	कार्यक्रम
3 अगस्त 2018	✹ संस्कृत सप्ताह का समापन
14 अगस्त 2018	✹ अखण्ड भारत स्मृति दिवस (भारत माता पूजन)
15 अगस्त 2018	✹ स्वतंत्रता दिवस , योगी अरविंद जयंती , नागपंचमी
17 अगस्त 2018	✹ गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती
	✹ विद्यालय स्तरीय प्रवास योजना
26 अगस्त 2018	✹ रक्षाबंधन उत्सव विद्यालय एवं सेवा बस्ती में, ग्रामीण क्षेत्र के अध्ययनरत भैया/बहिनों के ग्रामों का ग्राम सम्पर्क अभियान।
29 अगस्त 2018	✹ मेजर ध्यानचन्द जयन्ती राष्ट्रीय खेल दिवस

------------✧------------

⊙ **पूर्व छात्र** – अखण्ड भारत स्मृति दिवस (भारत माता पूजन)

⊙ **क्रियाशोध** – क्रियाशोध के विषयो का चयन करना (कोई पाँच)

⊙ **विद्वत परिषद** – विभिन्न परिषदों का कार्यविभाजन एवं स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार करना।

⊙ **शिशुवाटिका** –
1. राखी बनाओ
2. रक्षाबंधन उत्सव
3. स्वतंत्रता दिवस
4. नागपंचमी उत्सव
5. जन्मदिन उत्सव, खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद जयंती)

⊙ **बालिका शिक्षा** –
1. हिन्दू जीवन शैली जीवनचर्या का वैज्ञानिक महत्व समझना।

प्रत्येक बहिन इतना अवश्य करे–

अ. सूर्योदय से पूर्व उठना, प्रातः स्मरण (प्रथम दो श्लोक करना) स्नान करना, तुलसी एवं सूर्य को अर्ध्य देना। ईश वंदना करना, भोजन मंत्र बोलना, सोने से पूर्व रामरक्षा स्त्रोत का पाठ करना।

ब. सखी री सावन मन भायो (मातृभूमि के अन्तर्गत कार्यक्रम करना।

स. प्रति सप्ताह एक दिन एक घण्टे की कार्यशाला करना (विद्यालय परिसर की स्वच्छता एवं साजसज्जा जाँच के लिए)

प्रमुख कार्य

- ☞ सरस्वती वन्दना, भोजन मंत्र प्रतियोगिता (आचार्य हेतु)
- ☞ रंगोली, चित्रकला, स्वरचित कविता (भैया-बहिन हेतु)
- ☞ श्रुतलेख, सरस्वती वन्दना प्रतियोगिताएँ (भैया-बहिन हेतु)
- ☞ कक्षाशः अभिभावक गोष्ठी
- ☞ साप्ताहिक बाल सभा / प्रथम क्षमता मूल्यांकन
- ☞ खेलकूद दिवस का आयोजन
- ☞ विभागशः प्रधानाचार्य बैठकें, नामांकन एवं प्रवेश सूची मा.शि.म. को भेजना
- ☞ प्रतिष्ठान देयांश प्रेषण एवं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क प्रेषण
- ☞ संस्कृति ज्ञान परीक्षा अन्य विद्यालय का शुल्क प्रतिष्ठान को डीडी द्वारा प्रेषण, संस्कार केन्द्र विभागशः अभ्यास वर्ग
- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ आचार्य मासिक बैठक एवं अभ्यास वर्ग
- ☞ अभिभावक सम्पर्क का प्रथम चरण पूर्ण करना।

जो शिक्षा मनुष्य को संकीर्ण और स्वार्थी बना देती है, उसका मूल्य किसी युग में चाहे जो रहा हो, अब नहीं है।

-शरतचंद्र चट्टोपाध्याय

माह– सितम्बर 2018

दिनांक	कार्यक्रम
3 सितम्बर 2018	✸ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, श्रीकृष्ण रूप सज्जा, मटकी फोड़, गीता पाठ का आयोजन
5 सितम्बर 2018	✸ राधाकृष्णन जयंती, (शिक्षक दिवस)
8 सितम्बर 2018	✸ अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता (आचार्य हेतु),
13 सितम्बर 2018	✸ गणेशोत्सव (विद्यालय में गणेश स्थापना)
14 सितम्बर 2018	✸ राष्ट्रीय हिन्दी दिवस (संगोष्ठी आयोजन),
	✸ अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता (छात्रों के लिए)
23 सितम्बर 2018	✸ अनन्त चतुर्दशी (गणेश विसर्जन)
25 सितम्बर 2018	✸ पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती,
	✸ स्वदेशी सप्ताह प्रारम्भ

सितम्बर माह का प्रथम सप्ताह – त्रैमासिक मूल्यांकन

------------✧------------

⊙ **पूर्व छात्र** – पूर्व छात्र की बैठक एवं कार्यकारिणी में कार्य विभाजन

⊙ **क्रियाशोध** – जिलाशः क्रियाशोध प्रमुख की कार्यशाला आयोजित करना। विद्यालयों में जिन विषयों का चयन किया है। उसका लिखित प्रतिवेदन वाचन एवं चर्चा।

⊙ **विद्वत परिषद्** – त्रैमासिक मूल्यांकन के आधार पर भैया/बहिन एवं आचार्य परिवार हेतु विद्वत परिषद का मार्गदर्शन (विषयशः)

⊙ **शिशुवाटिका** –
1. श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव
2. डॉ. राधा कृष्णन जयन्ती
3. गणेश बनाओं प्रतियोगिता
4. शिशु स्वास्थ्य परीक्षण
5. मातृपितृ पूजन (मातृगोष्ठी) 6. जन्मदिवस उत्सव

⊙ **बालिका शिक्षा** –
1. सोशल मिडिया के सावधानी पूर्वक उपयोग के लिए साइबर क्राइम थाने से अधिकारी को बुलाकर प्रबोधन कराना।
2. आत्मरक्षा कौशल के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु प्रशिक्षण कराना।
3. नारी कीर्तिमान स्थापित करने वाले समाचारों का संकलन कर एलबम तैयार करना।

प्रमुख कार्य

- ☞ हिन्दी गीत गायन प्रतियोगिता
- ☞ भोजन मंत्र स्मरण प्रतियोगिता
- ☞ हमारा लक्ष्य स्मरण प्रतियोगिता (आचार्य के लिए)
- ☞ त्रैमासिक मूल्यांकन (विद्यालय स्तर)
- ☞ मातृ सम्मेलन
- ☞ हस्तलिखित पत्रिका निर्माण
- ☞ जिला, विभाग स्तरीय खेलकूद, बौद्धिक समारोह एवं ज्ञान विज्ञान मेला
- ☞ विद्यालय अवलोकन की कमियों को दूर करने का प्रयास
- ☞ सांस्कृतिक कार्यशालाएँ जिला/विद्यालय स्तर
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग

माह- अक्टूबर 2018

दिनांक		कार्यक्रम
1 से 2 अक्टूबर 2018	✸	प्रान्तीय बौद्धिक समारोह स्थान-गुना
2 अक्टूबर 2018	✸	महात्मा गांधी, लालबहादुर शास्त्री जयंती,
	✸	स्वदेशी सप्ताह का समापन
19 अक्टूबर 2018	✸	विजयादशमी पर्व (शस्त्र पूजन)
22 से 23 अक्टूबर 2018	✸	प्रान्तीय ज्ञान विज्ञान मेला एवं वैदिक गणित प्रश्नमंच
	✸	स्थान-टिमरनी जिला हरदा
24 अक्टूबर 2018	✸	वाल्मिकी जयंती
24 व 25 अक्टूबर 2018	✸	क्षेत्रीय ज्ञान विज्ञान मेला एवं वैदिक गणित टिमरनी
29 व 30 अक्टूबर 2018	✸	क्षेत्रीय प्रश्न मंच एवं बौद्धिक समारोह बिलासपुर
31 अक्टूबर 2018	✸	सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती

------------✧------------

⦿	**पूर्व छात्र**	-	पूर्व छात्र का वृहद सम्मेलन
⦿	**क्रियाशोध**	-	प्रान्त स्तरीय क्रियाशोध कार्यशाला
⦿	**विद्वत परिषद्**	-	कक्षाशः अभिभावक गोष्ठियों में विद्वत परिषद के पदाधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन।
⦿	**शिशुवाटिका**	-	1. गाँधी जयंती वेशभूषा प्रतियोगिता। 2. कन्या पूजन एवं भोज 3. सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती 4. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जयंती 5. जन्मदिवस उत्सव
⦿	**बालिका शिक्षा**	-	1. नारी गरिमा को ठेस पहुँचाने वाले प्रसंगों के विरोध हेतु प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, कलेक्टर, महिला आयोग एवं अन्य संबंधित विभागों में पत्र भिजवाना। 2. अपने आसपास की ऐसी प्रेरणादाई महिलाओं से वार्ता कराना जिन्होंने कैरियर के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों जैसे-मातृत्व को बखूबी निभाया हो। 3. कन्याभारती एवं मातृभारती के नेतृत्व में तरूणी महोत्सव का आयोजन कराना (बालिका शिक्षा मार्गदर्शिका के अनुसार)

प्रमुख कार्य-

- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ साप्ताहिक शिशु सभा/बालसभा
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग
- ☞ दायित्व बोध शिविर (कन्याभारती, तरूणभारती, बालभारती, किशोरभारती)
- ☞ अभिभावक सम्पर्क समीक्षा
- ☞ शुद्ध लेख प्रतियोगिता

माह- नवम्बर 2018

दिनांक		कार्यक्रम
07 नवम्बर 2018	✹	महालक्ष्मी पूजन (दीपावली)
14 नवम्बर 2018	✹	बाल मेला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन
15 नवम्बर 2018	✹	बिरसा मुण्डा जयंती
19 नवम्बर 2018	✹	रानी लक्ष्मीबाई जयंती
23 नवम्बर 2018	✹	गुरूनानक जयंती
26 नवम्बर 2018	✹	संविधान दिवस

नवम्बर माह का अंतिम सप्ताह अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन प्रारम्भ

- ⊙ **पूर्व छात्र** - स्वपोषी पूर्वछात्र की सूची लिपिबद्ध करना।
- ⊙ **विद्वत परिषद्** - जिलाशः विद्ववत सम्मेलन (नवम्बर के प्रथम सप्ताह में)
- ⊙ **शिशुवाटिका** -
  1. देवदर्शन
  2. स्वतंत्र शारीरिक प्रदर्शन
  3. मातृ गोष्ठी
  4. बालदिवस
  5. मातृ सम्मेलन
  6. जन्मदिवस उत्सव
- ⊙ **बालिका शिक्षा** -
  1. असामाजिक घटनाओं के प्रति सजगता विषय पर प्रबोधन कराना।
  2. सरस्वती यात्रा (बालिका शिक्षा निर्देशिका के अनुसार)
  3. बालिकाओं का कैरियर विकल्प विषय पर कैरियर गाइडेंस कराना।

प्रमुख कार्य-

- ☞ कक्षाशः प्राथमिक समता
- ☞ कक्षाशः संचलन प्रतियोगिता
- ☞ प्रश्न पत्र हल करने की कार्यशाला
- ☞ अभिभावक सम्पर्क द्वितीय चरण पूर्ण करना
- ☞ शैक्षिक दृष्टि से कमजोर छात्रों के उन्नयन हेतु विशेष कार्य योजना
- ☞ अभिभावक सम्मेलन का आयोजन
- ☞ बाल सभा का आयोजन प्रति सप्ताह
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग
- ☞ द्वितीय स्वास्थ्य परीक्षण
- ☞ शुल्क समीक्षा

माह- दिसम्बर 2018

दिनांक		कार्यक्रम
03 दिसम्बर 2018	✸	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती
	✸	विश्व दिव्यांग दिवस
	✸	भोपाल गैस त्रासदी
10 दिसम्बर 2018	✸	मानव अधिकार दिवस
14 दिसम्बर 2018	✸	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
15 दिसम्बर 2018	✸	आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं प्रज्ञा परीक्षा
18 दिसम्बर 2018	✸	गुरू घासीदास जयंती, गीता जयन्ती
22 दिसम्बर 2018	✸	श्री निवास रामानुजन जयंती (गणित दिवस- गणित मेला आयोजन)

⦿ **पूर्व छात्र** - पूर्व छात्रों द्वारा संस्कार केन्द्र दर्शन।

⦿ **विद्वत परिषद्** - अर्द्धवार्षिक परीक्षा उपरान्त परीक्षा परिणाम के आधार पर समीक्षा विद्ववतजनों द्वारा विषयशः मार्गदर्शन। शैक्षणिक गुणवत्ता हेतु किये जाने वाले करणीय कार्य।

⦿ **क्रियाशोध** - निर्धारित बिन्दुओं का क्रियान्वयन एवं प्रतिवेदन तैयार करना

⦿ **शिशुवाटिका** -
1. शिशु सहभोज
2. मातृ गोष्ठी
3. स्वतंत्र रंगमंचीय कार्यक्रम
4. जन्मदिवस उत्सव

⦿ **बालिका शिक्षा** -
1. आदर्श नारियों के जीवन परिचय के एलबम तैयार कराना।
2. रसोई घर से आरोग्य एवं सौन्दर्य विषय पर कैरियर गाइडेंस कराना।
3. नारी के सप्त गुण कीर्ति घृति श्री मेघा स्मृति वाक् क्षमा विषय की परिचर्चा करना।

प्रमुख कार्य-

- ☞ भैया/बहिन संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजन
- ☞ अन्य विद्यालयों के छात्रों के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन
- ☞ परीक्षा परिणाम वितरण समारोह
- ☞ कमजोर तथा मेधावी छात्रों की सूची तैयार कर योजना बनाना
- ☞ शारीरिक प्रकट समारोह एवं रंगमंचीय कार्यक्रम का आयोजन
- ☞ शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम
- ☞ साप्ताहिक बालसभा
- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग
- ☞ चार अंको में समर्पण करने वाले दानदाताओं की सूची तैयार करना।

माह- जनवरी 2019

दिनांक	कार्यक्रम
03 जनवरी 2019	✸ सावित्रीबाई फूले जयंती
10 जनवरी 2019	✸ विश्व हिन्दी दिवस
12 जनवरी 2019	✸ स्वामी विवेकानन्द जयंती (युवा दिवस)
12 जनवरी 2019	✸ सूर्य नमस्कार सप्ताह प्रारम्भ
14 जनवरी 2019	✸ मकर सक्रांति (अन्न संग्रह)
	✸ संस्कार केन्द्र पर उत्सव -वार्षिकोत्सव
22 जनवरी 2019	✸ सूर्य नमस्कार सप्ताह का समापन
23 जनवरी 2019	✸ नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती
26 जनवरी 2019	✸ गणतंत्र दिवस (भारत माता पूजन)
30 जनवरी 2019	✸ कुष्ठ रोग निवारण दिवस, शहीद दिवस

------------✧------------

⊙ **पूर्व छात्र** - विवेकानंद युवा उत्सव एवं कोई एक सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम।

⊙ **क्रियाशोध –** ....

⊙ **विद्वत परिषद्** - प्रावीण्य सूची हेतु चयनित छात्र/छात्राओं एवं अभिभावकों का प्रबोधन। प्रतिमाह अभ्यास वर्ग में विद्वतजनों का समुचित मार्गदर्शन।

⊙ **शिशुवाटिका** -
1. स्वामी विवेकानंद जयंती + शोभायात्रा।
2. वन संचार
3. मकर संक्राति उत्सव + मातृगोष्ठी
4. गणतंत्र दिवस
5. जन्मदिवस उत्सव

⊙ **बालिका शिक्षा** -
1. रीति रिवाज एवं परम्पराओं में विज्ञान विषय पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
2. व्रत उत्सव त्यौहार का वैज्ञानिक एवं सामाजिक महत्व पर निबंध लिखवाना।
3. ऋतु अनुसार आहार-विहार की जानकारी देना।

प्रमुख कार्य–

- ☞ वन्दे मातरम् गीत प्रतियोगिता (आचार्यों के लिए)
- ☞ मुद्रित पत्रिका निकालने हेतु कार्यशाला
- ☞ निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा अन्तर्गत प्रवेशित छात्रों की शुल्क प्राप्ति हेतु कार्यवाही करना
- ☞ आधारभूत विषयों के वृत्त विभाग/प्रान्त में प्रेषित करना
- ☞ साप्ताहिक बालसभा आयोजन
- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग
- ☞ संस्कार केन्द्र दर्शन योजना
- ☞ शैक्षिक उन्नयन हेतु विशेष प्रश्न पत्र बनाकर हल करवाना
- ☞ प्रावीण्य सूची एवं शत प्रतिशत परिणाम हेतु अतिरिक्त कक्षाएँ।

माह– फरवरी 2019

दिनांक		कार्यक्रम
10 फरवरी 2019	✹	बसन्त पंचमी (सरस्वती पूजन)
19 फरवरी 2019	✹	प.पू. माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर जयंती (श्री गुरूजी)
	✹	संत रविदास जयंती
26 फरवरी 2019	✹	वीर सावरकर पुण्यतिथि
28 फरवरी 2019	✹	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

------------ ✧ ------------

⦿ **शिशुवाटिका** –
1. शिशु स्वास्थ्य परीक्षण
2. बाल मेला
3. भावी अभिभावक (भविष्य के) सम्मेलन
4. जन्मदिवस उत्सव

⦿ **बालिका शिक्षा** –
1. बसंत पंचमी आदि किसी त्यौहार के अवसर पर मातृ भारती द्वारा ‘‘मातृ शक्ति संगम’’ कार्यक्रम का आयोजन कराना।

प्रमुख कार्य-

- ☞ मासिक मूल्यांकन
- ☞ साप्ताहिक बालभारती का आयोजन
- ☞ आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग
- ☞ शुल्क संग्रह (शेष शुल्क समीक्षा)
- ☞ आचार्य चयन हेतु विज्ञापन
- ☞ नवीन प्रवेश हेतु विज्ञापन
- ☞ आधारभूत विषय प्रान्तीय बैठक
- ☞ समर्पण राशि एवं प्रेषण पत्र प्रान्त में भेजना
- ☞ विभिन्न प्रान्तीय वर्गों हेतु नाम चयनित करना
- ☞ अन्तिम कक्षा के भैया बहिनों का आशीर्वाद समारोह
- ☞ स्थानीय एवं बोर्ड कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न कराना
- ☞ संस्कार केन्द्रों पर संस्कृति प्रवाह परीक्षा का आयोजन करना
- ☞ शिशुवाटिका रंगमंच कार्यक्रम
- ☞ शिशु महोत्सव
- ☞ अभिभावक सम्पर्क तृतीय चरण पूर्ण करना।

माह- मार्च 2019

दिनांक	कार्यक्रम
08 मार्च 2019	✹ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
14 मार्च 2019	✹ स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ जयंती (वैदिक गणित प्रणेता)
21 मार्च 2019	✹ होलिका दहन
22 मार्च 2019	✹ धुलेंडी
23 मार्च 2019	✹ भाईदूज
25 मार्च 2019	✹ रंगपंचमी

प्रमुख कार्य-

- ☞ बोर्ड कक्षाएँ वार्षिक परीक्षा प्रथम सप्ताह
- ☞ स्थानीय परीक्षाएँ अंतिम सप्ताह
- ☞ विद्यालय स्तर पर प्रतिभा सम्मान समारोह
- ☞ आचार्य चयन परीक्षा
- ☞ शेष शुल्क संग्रह
- ☞ अग्रिम राशि वापसी एवं समायोजन
- ☞ नवीन सत्र शुल्क संरचना
- ☞ अनुमानित बजट निर्माण
- ☞ स्टेशनरी, साहित्य मांग पत्र
- ☞ विविध वर्गों की अभ्यर्थी सूची तैयार करना एवं सहमति लेना
- ☞ भौतिक सत्यापन
- ☞ आन्तरिक दायित्व कार्ययोजना समीक्षा
- ☞ प्रवेश हेतु विशेष सम्पर्क अभियान

माह- अप्रैल 2019

दिनांक	कार्यक्रम
06 अप्रैल 2019	✹ वर्ष प्रतिपदा- डॉ. हेडगेवार जयंती
	✹ नवसम्वत्सर एवं नवरात्रि प्रारम्भ
14 अप्रैल 2019	✹ डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती (सामाजिक समरसता दिवस)
17 अप्रैल 2019	✹ शिवाजी जयन्ती
19 अप्रैल 2019	✹ हनुमान जयंती

प्रमुख कार्य-

- ☞ स्वागत सत्रारंभ (प्रवेश उत्सव)
- ☞ वार्षिक कार्ययोजना समीक्षा
- ☞ प्रवेश हेतु सघन सम्पर्क अभियान
- ☞ मासिक प्रशिक्षण वर्ग
- ☞ नवचयनित आचार्यों का कक्षा शिक्षण परीक्षण
- ☞ अवकाश पंजी पूर्ण करना
- ☞ परीक्षण कालीन आचार्य/दीदियों का कार्य व्यवहार प्रतिवेदन तैयार करना समिति में प्रस्तुत करना।
- ☞ पूरक परीक्षा की समय सारणी बनाना, कार्यवाही करना
- ☞ विद्यालय की आवश्यकतानुरूप रख-रखाव संसाधनों की पूर्ति, लेखा संधारण एवं अंकेक्षण की तैयारी
- ☞ नवीन आचार्यों के पाठ्येत्तर दायित्वों की सूची एवं विभाजन
- ☞ आचार्य चयन परीक्षा (साक्षात्कार)
- ☞ प्रान्तीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला
- ☞ छात्रों के लिए ग्रीष्मावकाश में गृह कार्य की योजना करना
- ☞ आचार्यों के लिए ग्रीष्मावकाश में स्वाध्याय हेतु पुस्तकें उपलब्ध कराना।

माह- मई + जून 2019

प्रमुख कार्य-

- ☞ प्रमुख कार्य-
- ☞ व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ☞ कमजोर भैया-बहिनों की अतिरिक्त कक्षायें।
- ☞ व्यावसायिक मार्गदर्शन (केरियर गाईडेंस)।
- ☞ वन संचार (आचार्य एवं प्रबंध समिति)।
- ☞ आगामी सत्र की योजना पर चिन्तन।
- ☞ आचार्य उन्नयन वर्ग (विद्यालय स्तर पर)।
- ☞ आचार्यों के सेवा अभिलेख पूर्ण करना।
- ☞ साधारण सभा बैठक, धारा 27, 28 की जानकारी एवं प्रमाणित सूची प्राप्त करना।
- ☞ प्रान्तीय विविध प्रशिक्षण वर्गों में सहभागिता।
  - आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग
  - नवीन प्रधानाचार्य अभ्यर्थी वर्ग
  - शिशुवाटिका वर्ग
  - वित्त प्रबंधन वर्ग
- ☞ विभाग स्तर पर नव चयनित आचार्य विकास वर्ग।
- ☞ शिक्षण से सम्बंधित सहायक सामग्री का निर्माण।
- ☞ उत्कृष्ट शिक्षा एवं परिणाम के आधार पर नगर में प्रचार-प्रसार की योजना।
- ☞ संस्कृति बोध परियोजना मांग पत्र एवं राशि प्रतिष्ठान कार्यालय भेजना।
- ☞ प्रधानाचार्य/प्राचार्य आत्मकथ्य प्रान्त में भेजना।
- ☞ प्रान्तीय प्रधानाचार्य-प्राचार्य योजना बैठक।
- ☞ विश्व योग दिवस

अखिल भारतीय हिन्दी गीत

सत्र- 2018-19

प्राथमिक कक्षाओं हेतु

कितना सुंदर कितना प्यारा देश हमारा।
दुनिया के सारे देशों से है यह न्यारा।।

1. धरती से अम्बर तक इसका,
ऊँचा ध्वज है मस्तक जिसका।
सबने हिमगिरी नाम पुकारा ।। कितना सुंदर.....

2. वन उपवन में हरियाली है,
डालों पर छाई लाली है।
नदियों की पावन जलधारा ।। कितना सुंदर.....

3. कंचन सा तन केश सुनहरा,
धोए चरण को सागर गहरा ।
लहरों ने जिसको ललकारा ।। कितना सुंदर.....

4. सारे जगत में इसकी जय हो,
इसका जन-जन सदा अभय हो ।
सुर-नर मुनि सब यही उचारा ।। कितना सुंदर.....

000

अखिल भारतीय हिन्दी गीत

सत्र- 2018-19

(माध्यमिक कक्षाओं हेतु)

हम भारत के स्वाभिमान है ऋषि मुनि की संतान
देश हमारा सबसे न्यारा प्यारा हिंदुस्थान।।

1. गौरवशाली परम्पराएँ, यह इतिहास बताता
भेदभाव है नहीं किसी से, सबसे अपना नाता,
सबसे अपना नाता राम कृष्ण की पुण्य धरा यह, सुंदर स्वर्ग समान।।
देश हमारा.....

2. हम मेहनत से चमकाएँगे, भारत माँ का भाल
डरते है हम नही किसी से, खड़ा हो चाहे काल,
खड़ा हो चाहे काल सकल विश्व में गूंज रहा है, जगजननी का गान।।
देश हमारा.....

3. नई सोच और नई दृष्टि ले, भारत श्रेष्ठ बनाएँगे
इस तकनीकी युग में हम, जग में सिरमौर कहाएँगे,
जग में सिरमौर कहाएँगे स्वच्छ रहेंगे स्वस्थ बनेंगे जन-जन का अभियान।।
देश हमारा.....

4. आज हमारी प्रतिभा का, सारा जग लोहा मान रहा
ये भारत श्रेष्ठ सदा से है, यह नारा फिर से गूंज रहा,
यह नारा फिर से गूंज रहा हम भारत माँ के बच्चे हैं, अमिट हमारी शान।।
देश हमारा.....

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्व निष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों-गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दु:खी अपने अभाव ग्रस्त बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।